DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

। नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । शुक्रवार, 3 जून 2022

NAME OF NEWSPAPERS------

सबसे ज्यादा लोग चलाते हैं साइकल, कारों के हिसाब से बन रही सड़कें

तन, मन और धन...तीनों को दुरुस्त रखती है साइकल

विश्व साइकल दिवस पर विशेष

■ विशेष संवाददाता, नई दिल्ली

साइकल...जो किफायती भी है और इसे चलाने में किसी ईंधन की जरूरत भी नहीं होती है। साथ ही यह आपको हेल्दी भी रख सकती है...और हां पर्यावरण के लिहाज से भी यह काफी मुफीद है। दरअसल आज 'वर्ल्ड बाइसिकल डे' है और हम आपको बताएंगे राजधानी दिल्ली से जुड़े इसके दिलचस्प आंकड़े।

27.2 फीसदी लोग चलाते हैं साइकल

नैशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 (2019-20) की रिपोर्ट के अनुसार, राजधानी में 27.2% लोग साइकल चलाते हैं, जबकि 53.1% दोपहिया और महज 19.4% लोग कार चलाते हैं। एक्सपर्ट के अनुसार साइकल और दोपहिया की अधिक संख्या के बावजूद शहर को कारों के हिसाब से डिजाइन किया जा रहा है। एक्सपर्ट की मानें तो इस समय फोकस नॉन मोटराइज्ड गाड़ियों पर होना चाहिए। सीएसई की एक रिपोर्ट के अनुसार राजधानी में करीब 25% जमीन का इस्तेमाल सड़कों के लिए हो रहा है। अगर प्लानिंग में साइकल और छोटे साधनों को शामिल नहीं किया गया तो समस्या विकराल होंगी।

NBT स्पेशल

सिंगापुर मॉडल हो सकता है समाधान

सीएसई की डीजी सुनीता नारायण के अनुसार गाड़ियों को कम करने का सबसे सफल मॉडल सिंगापुर है। उन्होंने बताया कि सिंगापुर में अगर गाड़ी लेनी हो तो उसका ऑक्शन होता है। वहां पहले यह तय किया जाता है कि कितनी गाड़ियां और चल सकती हैं। इसके बाद उतनी गाड़ियों का ऑक्शन होता है। नीलामी में रेट काफी ऊंचे जाते हैं। दरअसल, सिंगापुर का पब्लिक ट्रांसपोर्ट इतना अच्छा है कि लोगों को गाड़ियों की कमी नहीं खलती।

साइकल और दोपहिया असुरक्षित?

ग्रीनपीस के अविनाश चंचल के अनुसार, एक तरफ डीडीए कह रहा है कि क्षतिपूर्ति पेड़ लगाने के लिए जगह नहीं हैं। दूसरे राज्यों में इन्हें लगाने की मंजूरी दी जाए। वहीं दूसरी तरफ इस शहर की 25 प्रतिशत जगह सड़कें घेर चुकी हैं। अभी कई सड़कों को चौड़ा करने का काम चल रहा है। वहीं राहगीरी फाउंडेशन की को-फाउंडर सारिका पांडा भट्ट के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में लोग सड़कों पर साइकल और दोपहिए को सुरक्षित नहीं मानते हैं। इसलिए सरकार को साइकल से चलने वालों और पैदल यात्रियों को अब प्राइम फोकस में रखना चाहिए। जिसके तहत वॉक-वे और साइकल ट्रैक बनाए जाएं।

राजधानी में कहां हैं साइकल ट्रैक

दिल्ली में तीन प्रमुख साइकल ट्रैक बने हुए हैं। इनमें आजादपुर के मॉल रोड पर 7.1 किलोमीटर का साइकल ट्रैक, महरौली से बदरपुर वाया साकेत पर 3.5 किलोमीटर और आंबेडकर नगर से लोदी रोड बीआरटी कॉरिडोर पर 12 किलोमीटर का डेडिकेटेड साइकल ट्रैक है। द्वारका के पार्क आदि के पास भी साइकल ट्रैक बनाए गए थे।

अच्छे ट्रैक नहीं होने के चलते दिल्ली-एनसीआर में लोग सड़कों पर साइकल को सुरक्षित नहीं मानते हैं

देश में किसका कितना प्रतिशत (2019-20 के आधार पर)

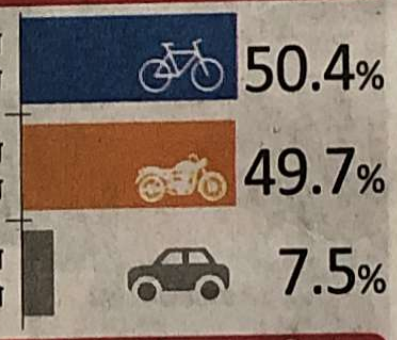

कहां हो रही है अधिक साइक्लिंग

- धौला कुआं से ग्यारह मूर्ति, राष्ट्रपति भवन से इंडिया गेट, द्वारका से नजफगढ़ वेटलैंड, गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड, संजय वन, डोमेस्टिक टर्मिनल से मानेसर, असोला भाटी लेक, अरावली

साइकल चलाने के फायदे

- दिल को फिट रखता है
- वजन का संतुलन बनाए रखता है
- डायबिटिज के खतरे को कम करता है
- मांसपेशियां मजबूत होती हैं
- गठिया की रोकथाम में मददगार

राजधानी के लोग क्यों एक सीमित समय में ही चलाते हैं साइकल

- ट्रैफिक शुरू होने के बाद साइकल सुरक्षित नहीं रह जाती है
- साइकल ट्रैक जहां बने हैं उनका इस्तेमाल पार्किंग और रेहड़ियों के लिए हो रहा है
- गाड़ी चलाने वाले सुरक्षा को देखते हुए नहीं मेंटेन करते उचित दूरी

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS----------

नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । शुक्रवार, 3 जून 2022

वसंत कुंज: एमसीडी के पार्क में मिल्क बूथ बनाने का विरोध

■ एनबीटी न्यूज, वसंत कुंज

एमसीडी पार्क में कमर्शल यूनिट खोलने का विरोध वसंत कुंज में भी तेज हो गया है। सी-4 ब्लॉक और पुलिस कॉलोनी के बीच एमसीडी पार्क में मिल्क बूथ खुलने जा रहा है। लोग इसका विरोध कर रहे हैं। उनका तर्क है कि इस एरिया में थोड़ी-थोड़ी दूरी पर मिल्क बूथ पहले से ही हैं।

यहां रहने वाले आशीष वी. शर्मा का कहना है कि पार्क के उद्देश्य को एमसीडी खत्म कर रही है। कमर्शल यूनिट मार्केट में होनी चाहिए। डीडीए कॉलोनियों में यह सुविधा हैं। पार्क सैर, शारीरिक और मानसिक एक्सरसाइज की जगह है। मिल्क बूथ खोलकर एमसीडी पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने का कदम उठा रही है। कमर्शियल गतिविधियां होने से पार्क में शोर मचेगा। सी-4 ब्लॉक आरडब्लूए और वसंत कुंज आरडब्ल्यूए फेडरेशन (40 आरडब्ल्यूएमए) ने इसका कड़ा विरोध किया है। एमसीडी को लिखे पत्र में सी ब्लॉक आरडब्ल्यूएमए ने मिल्क बूथ बनाने संबंधी निर्णय को तुरंत वापस लेने की मांग की है।

आरडब्ल्यूए प्रेजिडेंट एडवोकेट प्रवीण राय ने बताया कि पार्क में खुलने वाले मिल्क बूथ से 4 कदम की दूरी पर पहले से ही एक मिल्क बूथ है।